

अर्द्धवार्षिक परीक्षा सन

Total No. of Pages

पूर्वमह्यमा प्रथम खण्ड

Total No. of Questions

विषय कोड : 516

सामान्य हिन्दी

समय - 1 1/2 घण्टे

प्रश्न - प्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - 50

प्र० 1

सद्य उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर एक लाइन में दीजिए। 5x1/2

- ① = रैदास की प्रभु भक्ति किस भाव की है ?
- ② कवि ने कौए के भाग्य की साराहना क्यों की है ?
- ③ प्रेम के मार्ग के विषय में कवि का क्या मत है।
- ④ सच्चे मित्र की क्या पहचान है।
- ⑤ चन्दूमा की किरणें कहाँ फैली हुई हैं
- ⑥ हिन्दुस्तान हमारा है ये कवि का क्या भाशय है।
- ⑦ कृष्ण और सुयामा कौन थे
- ⑧ कवि मन में किस बाल के लिये अंगित कर रहे हैं।
- ⑩ झोपड़ी मे ही हमारा देश बसता है। ये क्या आशय है ?

प्र० 2

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर 2 या 3 लाइनों में दीजिए 10x1

- ① विभिन्न घमों के सख्त में स्वामीजी ने क्या चिन्ता दिये हैं।
लिखिये ?
- ② जिंदगी की कौन सी दो सुरतें हैं। समझाउए ३
- ③ बल पवलि नदियों के नज्दीकी रिश्ते की स्पष्ट कीजिये
- ④ हमारी ग्रामीण संस्कृति की शहरी बुराईया प्रभावित कर रही है
स्पष्ट कीजिये ?

- ⑥ विभीषण के समझाने पर रावण ने क्या कहा क्या व्यंजन का
- ⑦ श्री कृष्ण और सुदामा की मैत्री का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ?
- ⑧ मीरा को रामरत्न प्राप्त होने से क्या क्या लाभ प्राप्त हुये हैं
- ⑨ शकरी ने अपने अप्राम में श्रीराम का किस प्रकार स्वागत किया ?
- ⑩ झारल ने सखार की जैन सी दो बालों की शिक्षा दी है। विस्तार से लिखिए ?

पं० 3

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ?

- ①
- ②
- ③
- ④

अ निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ स्पष्ट करते हुये वाक्यों में प्रयोग कीजिये 2½

① द्रुप में मित्याना थावा करना शल में मिथा देना

ब निम्नलिखित शब्दों के दो दो पर्याय वाची शब्द लिखिये 2½
 नदी समुद्र वायु वृक्ष मिट्टी जल

स निम्नलिखित शब्दों के विरोध शब्द लिखिये। 2½
 विजय विनाश जल पाल उन्मत्त

द निम्नलिखित शब्दों में पुरुकल प्रत्यय लिखिये। 2½
 सष्टिष्णुता ज्ञापित वचपन आन्तरिक भृतिमान्

(10) निम्नलिखित उपलब्ध जोड़ों को दो दो शब्द लिखिये।
अ सम, सु अम वि मभि 2½

(20) निम्नलिखित शब्दों के लक्ष्य रूप लिखिए।
आँस पुरुष मेर सपना धीरज 2½

(30) निम्नलिखित शब्दों के लक्ष्य रूप लिखिए।
गिजयगी स्वीक उन्मेष टेबिय 2½

प्र०४ दिये गये वाक्यांशों के लिये एक एक शब्द लिखिये। 2½

(i) जैसे स्वीकार न किया जाए

(ii) जो धरती बेजार है।

(iii) शिक्षा ग्रहण करने का स्थान।

(iv) इट लक की समझ रखते पाया।

(v) जिसका कोई पार न हो।

प्र०५ निम्नलिखित पंक्तियों को भाव सौन्दर्य स्पष्ट कि लिये

(क) रवि बहिर लेला है उनकी
सदा सवेश होने पर 2½

(ख) अलि भाल्मीया प्रकृति
हमरि साय उन्ही से रोला है। 2½

प्र०६ सदस्य सहित व्याख्या कीजिये। 5.

(1) सचिव वैद्य गुरु लीची जो प्रिय बोलाहि भय भास
राजधर्म सन्ना लीनि कर हीई बेगही भास

पूत अपने प्राचार्य की एक पूत लिखिते जिसमे अवकांश 5 हेतु पार्थना पूत के लिये अवियन हो।

प० ४ निबन्ध लिखिते (कोई एक) 7

- ① खेतों का महत्व
- ② विद्या की पारि की स्तव
- ③ दयावती या होनी
- ④ किसी भेजे का वर्णन

1	2	3	4	5	6	7	8
5	10	10	2½	2½	5	5	10